तीस हज़ार साल पुराना वायरस जी उठा

अब तक खोजा गया सबसे विशाल वायरस पिछले तीस हज़ार सालों से बर्फ में दबा पड़ा था। यह वायरस कई बैक्टीरिया से भी बड़ा है। जब शोधकर्ताओं ने बर्फ में से इसे निकाला तो यह अमीबा को संक्रमित करने में कामयाब रहा।

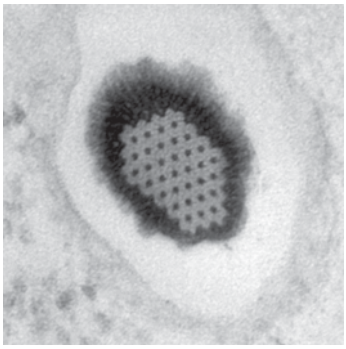

इस वायरस का आकार करीब 1.5 माइक्रोमीटर से ज़्यादा है जो किसी छोटे आकार के बैक्टीरिया से बड़ा है। फ्रांस स्थित एक्स-मार्सेल विश्वविद्यालय के जीव वैज्ञानिक दम्पति जीन-मिशेल क्लेवेरी और चैंटल एबर्जेल ने इस बैक्टीरिया को नाम दिया है *पिथोवायरस साइबेरिकम*। *पिथो* ग्रीक शब्द है जिसका अर्थ होता है वाइन भरकर रखने की टंकियां। क्लेवेरी और एबर्जेल का कहना है कि फ्रांसिसी होने के नाते लाज़मी था कि वे वायरस के नाम में वाइन का पुट दें। *साइबेरिकम* इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि यह साइबेरिया से प्राप्त बर्फ के नमूने में पाया गया है।

क्लेवेरी और एबर्जेल विशाल वायरस खोजने में महारत रखते हैं। इससे पहले वे *मिमिवायरस* और *पैंडोरावायरस* की खोज कर चुके हैं। इस तरह की खोजों से पता चल रहा है कि वायरसों की दुनिया में भी बहुत अधिक विविधता पाई जाती है।

पहले साइबेरिया से प्राप्त पर्माफ्रॉस्ट के नमूने को पिघलने दिया गया और उसमें से विशाल वायरस निकालने के लिए अमीबा डाले गए। विशाल वायरस आम तौर पर अमीबा को ही अपना शिकार बनाते हैं। अमीबा धड़ाधड़ मरने लगे। विश्लेषण से पता चला कि वे वायरस से संक्रमित हैं। इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप से लिए गए चित्र में दिखाई देता है कि इस वायरस के खुले सिरे पर एक कॉर्क लगा है जो मधुमक्खी के छत्ते जैसी बनावट का है।

यह वायरस अन्य दो विशाल वायरसों से दो मायनों में भिन्न है। पहला यह है कि यह अंदर से लगभग खोखला है। आम तौर पर वायरसों में डीएनए ठूंस-ठूंसकर भरा होता है मगर *पिथोवायरस* में डीएनए काफी फैलाकर भरा गया है।

दूसरा अंतर यह है कि *पिथोवायरस* अमीबा की कोशिका में घुसने के बाद उसके केंद्रक में प्रवेश नहीं करता बल्कि उसके कोशिका द्रव्य का उपयोग अपनी संख्या वृद्धि के लिए करता है। आम तौर पर वायरस अपने शिकार की कोशिका के केंद्रक की मशीनरी का उपयोग अपनी संख्या वृद्धि के लिए करते हैं।

इस खोज के बाद शोधकर्ताओं का कहना है कि साइबेरिया, आर्क्टिक आदि के पर्माफ्रॉस्ट में ऐसे कई वायरस दबे होंगे जो आज भी कोशिकाओं को संक्रमित करने में सक्षम हैं। ऐसे में जब हम जगह-जगह गहरी खुदाई कर रहे हैं तो इस बात की काफी संभावना है ये बाहर आ जाएंगे। *पिथोवायरस* तो अमीबा को ही शिकार बनाता है मगर अन्य वायरस मनुष्यों के लिए हानिकारक भी हो सकते हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***